

DPN 6252

Title : वर्षबन्धन विधि VARSA BANDHANA VIDHI

Run. No. 6949

Cat. No. 82

Micro. No.

Subject विधि Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 28.8 x 11

Folios 1

Lines (in a page) 12

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

राजेन्द्र श्रेष्ठ Rajendra Shrestha

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

strong paper प्रबल पत्र

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

X Y

कुरुगवदकनीव गलगविद्युदावकी संयुक्विधिवरुक्ता नमामिचक्र देवता ॥ ३

कायनमः ॥ ॐ जं कं कं पा ला यनमः ॥ ॐ जं गं गं घं गं यनमः ॥ ॐ जं नं नं स नं यनमः ॥ ॐ जं कं कं ८ रिपू
कनाय वीरुनिधनाय कुरुपा ला यनमः ॥ ॐ जं मयू ना स ना यनमः ॥ ॐ जं वं वं वं वं क ना थ यनमः ॥ ॐ जं मू म
स ना यनमः ॥ ॐ जं गं गं गं गं यनमः ॥ हृदयादि ॥ ॐ वं वं वं वं ॥ आ वा रु ना दि ॥ ऊ प रु ॥ ॐ नि यो ॥
पूर्व क्रमा र्ग ग न ग ग प ति कं कं वी या गि नी कं वा मू अ च लु नू पा स क ल रु य रु नी वि द्यु दा वा गं गं ॥ ॐ पू ष्या या धू
य दी या मू लि व लि पि लि ता च नु ग न्धा च न न च कं सै पू ऊ का ना म ति म रु रु ल दा ण य मा गं य स न्नी ॥ ॐ गी ३ व र्त्तं ग्वे
प्र स दा नि व रु दा न क स्य व र्ष व न्ध न वि व ल्य च न वि षी न स र्व वि धि य त्रि पू र्ण म मू ॥ ॥ न न ४ र्थं व व लि पू जा ॥ व
दु क कं कं या गि नी वा मू अ गं गं ॥ आ च म न या मा दि पू र्व व न् ॥ ॐ जं मयू ना स ना यनमः ॥ ॐ जं वं वं वं वं क ना
थ यनमः ॥ ॐ जं नं नं स ना यनमः ॥ ॐ जं कं कं कं पा ला यनमः ॥ ॐ जं सै हा स ना थ यनमः ॥ ॐ जं या थ गि नी थ
नमः ॥ ॐ जं य न स ना थ यनमः ॥ ॐ जं कं कं कं सि धि या मू अ य नमः ॥ ॐ जं मू म स ना यनमः ॥ ॐ जं गं गं गं गं यन
थ नमः ॥ हृदयादि ॥ ॐ वं वं वं वं ॥ ॐ वं वं वं वं ॥ आ वा रु ना दि ॥ ऊ प रु ॥ ॐ वी पू र्व वि गं वं न न
गं गि क र्त्तं कं कं पा लं गि न र्गं या द वी या गि नी लि ८ म क ल रु य रु नी व क चा मू लि का र्था नो मि थि वि धि क र्ग य न म मू रु
क र्त्तं र्थं वं वं वं वं क र्त्तं न च कं यू ऊ का ना रु न रु रु रु रु र्थं र्थं य दा य ४ क ना उ ॥ अ ग न्धा दि ॥ ॥ न न ४ को मा र्ग यू जा ॥ या सा

हृदयविद्वत्

दियुर्ववत्॥ उँ उँ उँ उँ उँ उँ म हा को मात्री मूर्त्तय नमः॥ उँ उँ काँ काँ कूँ कूँ काँ कूँ ४ काँ को मात्री मूर्त्तय नमः॥ काँ हृदयाय २॥ काँ
जिग्रस ००॥ कूँ जिखाये वोषट्॥ कूँ कवचाय दूँ॥ काँ न गुण्याय वषट्॥ कूँ अँ मूलाय रुट्॥ मूलमकु॥ उँ दिव्याय जयन
मः॥ जयस्तुती॥ म यूतकूँ कूँ देवते॥ आवाहनादि॥ ॥ नमः ४ सूर्यादियुता॥ उँ सूर्याय नमः॥ उँ तानायाय॥ यतमः॥
उँ सदानि वाय नमः॥ उँ गायत्र्या २॥ उँ कृपा लाय २॥ उँ हनुमते २॥ उँ नागनाय २॥ उँ वृद्धदवताय २॥
उँ ममनाय २॥ उँ ममये २॥ उँ हलये २॥ उँ सा मयस गायत्रि वायाय २॥ ॥